

# DAILY CURRENT AFFAIRS

By



SOURCES



**Date: 19 Apr. 2024**

### **Important News Articles**

1. किसी भी स्तर पर EVM से छेड़छाड़ करना असंभव: चुनाव आयोग - द हिन्दू
2. सेरेलैक में अतिरिक्त शुगर मिलाने पर नेस्ले पर विवाद बढ़ा - इंडियन एक्सप्रेस
3. जनसांख्यिकीय लाभांश हेतु भारत को शिक्षा, स्वास्थ्य में अधिक निवेश करना चाहिए: IMF- द हिंदू
4. DRDO ने स्वदेशी प्रौद्योगिकी से निर्मित कूज मिसाइल का सफल परीक्षण - द हिंदू
5. एवियन इन्फ्लूएंजा: केरल कुट्टनाड में संक्रमित पक्षियों को मारा जाएगा - द हिंदू
6. NGT ने चेन्नई जल निकायों में रसायनों पर चिंता व्यक्त की - द हिंदू
7. वित्त वर्ष 2024: भारत का दालों का आयात 6 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचा - द हिंदू

### **Editorials, Gists and Explainers**

8. दक्षिण चीन सागर में भारत का दृष्टिकोण - द हिन्दू
9. निजी निवेश में गिरावट से सम्बंधित मामला - द हिन्दू
10. भारत में TB नियंत्रण से सम्बंधित प्रयास - द हिंदू

### **Quick Look**

1. लीफ लिटर फ्रॉग
2. हीटवेव
3. सोनार
4. मस्तिष्कावरण शोध
5. B वायरस

## महत्वपूर्ण समाचार लेख

### सामान्य अध्ययन II

#### 1. किसी भी स्तर पर' EVM से छेड़छाड़ करना असंभव: चुनाव आयोग - द हिन्दू

**प्रासंगिकता:** विभिन्न संवैधानिक निकायों की शक्तियां, कार्य और जिम्मेदारियां।

**समाचार:**

- चुनाव आयोग (EC) ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (EVM) के साथ "किसी भी स्तर पर" छेड़छाड़ करना असंभव है।
- चुनाव आयोग ने कहा कि अब तक यादृच्छिक सत्यापन के 41,629 मामले सामने आए हैं।
- अब तक चार करोड़ से अधिक VVPAT पेपर पर्चियों का मिलान किया गया है और बेमेल का एक भी मामला सामने नहीं आया है।

**प्रीलिम्स टेकअवे**

- वीवीपैट (VVPAT)
- EVM

**वीवीपैट (VVPAT):**

- वीवीपैट इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (EVM) से जुड़ी एक स्वतंत्र सत्यापन प्रिंटर मशीन है जो मतदाताओं को अपने वोटों को सत्यापित करने की अनुमति देती है।
- जैसे ही मतदाता EVM पर बटन दबाता है, वीवीपैट मशीन लगभग 7 सेकंड के लिए उस पर्ची को प्रिंट करती है जिसमें उस पार्टी का नाम और प्रतीक होता है जिसे उन्होंने वोट दिया है।
- इसे वर्ष 2013 में नागालैंड के नोकसेन विधानसभा क्षेत्र के उप-चुनाव में पेश किया गया था।
- वीवीपैट मशीनें भारत में 2014 के लोकसभा चुनावों में पेश की गईं और पारदर्शिता बढ़ाने और EVM की सटीकता के बारे में संदेह को खत्म करने के लिए पेश की गईं।
- ECI के अनुसार, EVM और वीवीपैट अलग-अलग इकाइयां हैं और किसी भी नेटवर्क से जुड़ी नहीं हैं।

**अनूप बरनवाल बनाम यूनियन ऑफ इंडिया केस, 2023**

- सुप्रीम कोर्ट (SC) की पांच-न्यायाधीशों की पीठ ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री, लोकसभा के विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) की समिति की सलाह पर की जाएगी।
- यदि विपक्ष का कोई नेता उपलब्ध नहीं है, तो संख्या बल के लिहाज से लोकसभा में सबसे बड़े विपक्षी दल का नेता ऐसी समिति का हिस्सा होगा।
- संसद ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) अधिनियम, 2023 पारित किया।

**EVM की मुख्य विशेषताएं:**

- ECI द्वारा उपयोग की जा रही एक EVM अधिकतम 2,000 वोट रिकॉर्ड कर सकती है।
- इन्हें बिजली की आवश्यकता नहीं होती है, ये भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड/इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा असेंबल की गई एक साधारण बैटरी पर चलते हैं।
- EVM में उपयोग की जाने वाली माइक्रोचिप एक बार प्रोग्राम करने योग्य/मास्कड चिप है, जिसे न तो पढ़ा जा सकता है और न ही ओवरराइट किया जा सकता है।
- इसके अलावा, EVM स्टैंड-अलोन मशीनें हैं और इन मशीनों में कोई ऑपरेटिंग सिस्टम का उपयोग नहीं किया जाता है।

## 2. सेरेलैक में अतिरिक्त शुगर मिलाने पर नेस्ले पर विवाद बढ़ा - इंडियन एक्सप्रेस

**प्रासंगिकता:** विज्ञान और प्रौद्योगिकी- विकास और रोजमर्रा की जिंदगी में उनके अनुप्रयोग और प्रभाव।

**समाचार:**

- एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में शिशुओं के लिए नेस्ले के उत्पादों में अतिरिक्त शर्करा पाई गई
- एक ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, यूरोप में बेचे जाने वाले **उन्हीं उत्पादों** में यह नहीं था।

**मुख्य बिंदु**

- एक रिपोर्ट में **अमीर देशों** की तुलना में **विकासशील देशों** में बेचे जाने वाले **शिशु आहार** में अधिक शुगर का उपयोग करने के लिए **नेस्ले** की आलोचना की गई है।
- शुगर की मात्रा हमेशा लेबल पर स्पष्ट नहीं होती है।
- इसमें **सेरेलैक** शामिल है, जो यूरोप में एक लोकप्रिय **शिशु अनाज** है जिसमें कोई अतिरिक्त शुगर नहीं होती है लेकिन कुछ स्थानों पर प्रति सेवारत **6 ग्राम** तक होती है।
- हालाँकि कुछ देश इसकी अनुमति देते हैं, लेकिन यह शुगर का सेवन सीमित करने की **विश्व स्वास्थ्य संगठन** की सिफारिशों के खिलाफ है।
- रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि **विकासशील देशों** में भोजन में अधिक शुगर कैसे शामिल की जा रही है, जो संभावित रूप से **बच्चों** के स्वास्थ्य को **नुकसान** पहुंचा रही है।

**क्या अतिरिक्त शुगर हानिकारक है?**

- अत्यधिक उपभोग से **व्यक्ति** के समग्र **आहार** में **समग्र ऊर्जा** की खपत बढ़ जाती है।
- यह **अस्वास्थ्यकर आहार** की ओर ले जाता है
- इसके बाद **मधुमेह, मोटापा और हृदय संबंधी बीमारियों** जैसे **गैर-संचारी रोगों** के होने का खतरा बढ़ जाता है।
- इससे **बच्चों और वयस्कों** में **पोषक तत्व** आधारित विकार का खतरा बढ़ सकता है
- **दांतों की सड़न** का संबंध शुगर के **जल्दी संपर्क** में आने से भी होता है।

## 3. जनसांख्यिकीय लाभांश हेतु भारत को शिक्षा, स्वास्थ्य में अधिक निवेश करना चाहिए:

**IMF- द हिंदू**

**प्रासंगिकता:** महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, एजेंसियां और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश।

**समाचार:**

- **अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)** ने सुझाव दिया है कि **भारत को शिक्षा और स्वास्थ्य** में भारी निवेश पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उसकी बढ़ती युवा आबादी को **पर्याप्त रोजगार** मिले।

**मुख्य बिंदु**

- **IMF** की 'जुड़वां' बहुपक्षीय संस्था **विश्व बैंक** ने कहा था कि **भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देश** अपने **जनसांख्यिकीय लाभांश** को बर्बाद कर रहे हैं।
- **AI** और ऐसी अन्य चुनौतियों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए **श्रम बल** के पास सही **कौशल** होना आवश्यक है
- **IMF** ने युवाओं में **बेरोजगारी** की **उच्च दर** के बावजूद **वित्त वर्ष 2024/25** में **भारत की अर्थव्यवस्था** के लिए **6.8%** की **वृद्धि दर** का अनुमान लगाया है।
  - जो कि कुछ अनुमानों के अनुसार **वर्ष 2022-23** में **40%** से थोड़ा ऊपर था।
- भारत में विकास का नेतृत्व **सार्वजनिक निवेश और निजी उपभोग** ने किया
- जबकि **सार्वजनिक पूंजीगत व्यय** (उदाहरण के लिए बुनियादी ढांचे) का विकास पर "बहुत **लाभकारी**" प्रभाव पड़ा था
- IMF अधिकारी ने कहा कि मुद्दा यह था कि क्या निजी निवेश में भीड़ थी।

**IMF:**

**प्रीलिम्स टेकअवे**

- एडेड शुगर
- WHO

**प्रीलिम्स टेकअवे**

- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
- IMF और विश्व बैंक की रिपोर्ट

- IMF एक **अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संगठन** है जिसकी स्थापना निम्न बिन्दुओं के लिए की गई है
  - वैश्विक मौद्रिक सहयोग को बढ़ावा देना
  - सुरक्षित वित्तीय स्थिरता
  - अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सुगम बनाना
  - उच्च रोजगार को बढ़ावा देना
  - सतत आर्थिक विकास
  - दुनिया भर में गरीबी कम करें।
- वर्ष 1944 में विश्व बैंक के साथ ब्रेटन वुड्स विनिमय प्रणाली के एक भाग के रूप में IMF की योजना बनाई गई थी।
- भारत 27 दिसंबर 1945 को IMF में शामिल हुआ था।
- अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) का प्राथमिक उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली, विनिमय दरों की प्रणाली और अंतरराष्ट्रीय भुगतान की स्थिरता सुनिश्चित करना है जो देशों को एक-दूसरे के साथ लेनदेन करने में सक्षम बनाता है।

#### SDR

- SDR एक अंतरराष्ट्रीय आरक्षित संपत्ति है SDR एक मुद्रा नहीं है, लेकिन इसका मूल्य अमेरिकी डॉलर, यूरो, चीनी रेंमिन्बी, जापानी येन और ब्रिटिश पाउंड स्टर्लिंग पांच मुद्राओं की एक बास्केट पर आधारित है।
- जब वर्ष 1973 में निश्चित विनिमय दरें समाप्त हो गईं, तो IMF ने SDR को विश्व मुद्राओं की एक बास्केट के मूल्य के बराबर के रूप में फिर से परिभाषित किया। SDR स्वयं एक मुद्रा नहीं है, बल्कि एक परिसंपत्ति है जिसे धारक जरूरत पड़ने पर मुद्रा के लिए विनिमय कर सकते हैं। SDR IMF और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों के खाते की इकाई के रूप में कार्य करता है।

#### IMF द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट :

- वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट और विश्व आर्थिक दृष्टिकोण।

### सामान्य अध्ययन III

#### 4. DRDO ने स्वदेशी प्रौद्योगिकी से निर्मित कूज मिसाइल का सफल परीक्षण - द हिंदू

**प्रासंगिकता:** आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

#### समाचार:

- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने ओडिशा के तट पर चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR) से "लंबी दूरी की सबसोनिक स्वदेशी रूप से विकसित कूज मिसाइल" का सफल उड़ान परीक्षण किया।
- मिसाइल ने वेपॉइंट नेविगेशन का उपयोग करके वांछित पथ का अनुसरण किया और बहुत कम ऊंचाई वाली समुद्री-स्किमिंग उड़ान का प्रदर्शन किया।

#### मुख्य बिंदु

- परीक्षण के दौरान सभी उपप्रणालियों ने अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन किया
- स्वदेशी प्रौद्योगिकी कूज मिसाइल (ITCM) के प्रदर्शन की निगरानी उड़ान पथ की पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करने के लिए ITR द्वारा विभिन्न स्थानों पर तेनात रडार, इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रेकिंग सिस्टम (EOTS) और टेलीमेट्री जैसे कई रेंज सेंसर द्वारा की गई थी।
- मिसाइल की उड़ान की निगरानी भारतीय वायु सेना के Su-30-Mk-I विमान से भी की गई।"
- मिसाइल को अन्य प्रयोगशालाओं और घरेलू उद्योगों के योगदान के साथ बंगलुरु स्थित DRDO प्रयोगशाला वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (ADE) द्वारा विकसित किया गया है।
- इस सफल उड़ान परीक्षण ने गैस टर्बाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान (GTRE), बंगलुरु द्वारा विकसित स्वदेशी प्रणोदन प्रणाली के विश्वसनीय प्रदर्शन को भी स्थापित किया है।
- बेहतर और विश्वसनीय प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए कूज मिसाइल उन्नत एवियोनिक्स और सॉफ्टवेयर से भी लैस है

#### प्रीलिम्स टेकअवे

- DRDO
- स्वदेशी प्रौद्योगिकी कूज मिसाइल

## 5. एवियन इन्फ्लूएंजा: केरल कुट्टनाड में संक्रमित पक्षियों को मारा जाएगा - द हिंदू

**प्रासंगिकता:** संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव आकलन।

**समाचार:**

- पशुपालन विभाग केरल के कुट्टनाड के एवियन फ्लू प्रभावित क्षेत्रों में पक्षियों को मारने का अभियान चलाएगा।
- "केंद्र ने बीमारी के प्रकोप को अधिसूचित किया है।

**एवियन इन्फ्लूएंजा:**

- एवियन इन्फ्लूएंजा, जिसे अक्सर बर्ड फ्लू कहा जाता है, एक अत्यधिक संक्रामक वायरल संक्रमण है जो मुख्य रूप से पक्षियों, विशेष रूप से जंगली पक्षियों और घरेलू मुर्गों को प्रभावित करता है।
- एवियन इन्फ्लूएंजा का मानव संचरण कभी-कभी होता है, लेकिन संक्रमण को एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में प्रसारित करना मुश्किल होता है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, जब लोग संक्रमित होते हैं, तो मृत्यु दर लगभग 60% होती है।
- यह बुखार, खांसी और मांसपेशियों में दर्द सहित हल्के फ्लू जैसे लक्षणों से लेकर निमोनिया, सांस लेने में कठिनाई जैसी गंभीर श्वसन समस्याओं और यहां तक कि परिवर्तित मानसिक स्थिति और दौरे जैसी संज्ञानात्मक समस्याओं तक हो सकता है।

**एवियन इन्फ्लूएंजा और भारत :**

- भारत में अत्यधिक रोगजनक एवियन इन्फ्लूएंजा (HPAI) H5N1 का प्रारंभिक प्रकोप वर्ष 2006 में नवापुर, महाराष्ट्र में हुआ और इसके बाद वार्षिक प्रकोप हुआ।
- H5N8 पहली बार भारत में नवंबर 2016 में देखा गया था, जो मुख्य रूप से पांच राज्यों में जंगली पक्षियों को प्रभावित करता था, जिसमें केरल में सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए थे।
- अत्यधिक रोगजनक एवियन इन्फ्लूएंजा (HPAI) को नियंत्रित करने के लिए भारत का दृष्टिकोण एवियन इन्फ्लूएंजा की रोकथाम, नियंत्रण और रोकथाम के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना (2021) में उल्लिखित "पता लगाने और मारने" की नीति का पालन करता है।

**इन्फ्लूएंजा:**

- HPAI का अर्थ है अत्यधिक रोगजनक एवियन इन्फ्लूएंजा और LPAI का अर्थ है कम रोगजनक एवियन इन्फ्लूएंजा

Types	A Subtypes	HPAI vs LPAI
<b>Influenza A</b> (Infects a wide range of animals including birds)	Avian (Can infect humans) H5N1 H7N3 H7N7 H7N9 H9N2 H10N8  Swine (Can infect humans) H1N1 H1N2 H3N2	HPAI H5N1 LPAI H5N1 HPAI H5N8 LPAI H5N8  Subtypes can be classified as high path or low path based on the ability of the specific virus strain to kill chickens in the lab setting.
<b>Influenza B</b> (Mainly infects humans)		
<b>Influenza C</b> (Infects humans and pigs but more rare than types A and B)		
<b>Influenza D</b> (Infects cattle)	Most common human H1N1 H3N2	

## 6. NGT ने चेन्नई जल निकायों में रसायनों पर चिंता व्यक्त की - द हिंदू

**प्रासंगिकता :** पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट।

**समाचार :**

- हाल ही में, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) ने स्वतः संज्ञान लिया और आईआईटी मद्रास द्वारा किए गए एक अध्ययन के आधार पर चेन्नई के जल निकायों में पॉलीफ्लोरोएल्काइल पदार्थों (PFAS) की उपस्थिति के बारे में चिंता व्यक्त की है।

**मुख्य बिंदु**

- रिपोर्ट में जल निकायों में पॉलीफ्लोरोएल्किल पदार्थ (PFAS) की उपस्थिति का उल्लेख किया गया है
- अध्ययन से पता चला कि पेरुंगुडी डंपयार्ड के पास भूजल में 2.72 नैनोग्राम प्रति लीटर (ng/L) परफ्लूरो ऑक्टेन सल्फोनिक एसिड (PFOS) था जो EPA के 0.02 ng/L के सुरक्षित स्तर से काफी अधिक था।
- यह भी देखा गया, जब सामान्य पानी की तुलना में उपचारित पानी में सभी आठ लक्ष्य PFAS की सांद्रता बढ़ गई।
- चूंकि पारंपरिक जल उपचार केवल PFAS को अधिक प्रचलित बनाता है, इसलिए अध्ययन में उन्नत पॉलिशिंग उपचार प्रणाली की मांग की गई है।

**पॉलीफ्लोरोएल्किल पदार्थ (PFAS):**

- लंबे समय तक पर्यावरण में बने रहने की क्षमता के कारण PFAS को फॉरएवर रसायन के रूप में भी जाना जाता है।
- ये सिंथेटिक रसायन हैं जो पर्यावरण को खराब करते हैं और उनका उपयोग नॉन-स्टिक कुकवेयर, जल-विकर्षक कपड़े, सौंदर्य प्रसाधन और अन्य उत्पाद बनाने में किया जाता है जो पानी या तेल को विकर्षित करते हैं।
- PFAS को लीवर की क्षति, हार्मोनल असंतुलन, प्रतिरक्षा प्रणाली के मुद्दों और कैंसर जैसे प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों के कारण जाना जाता है।

**स्टॉकहोम कन्वेंशन:**

- स्टॉकहोम कन्वेंशन मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को लगातार जैविक प्रदूषकों (POP) से बचाने के लिए एक वैश्विक संधि है।
- स्टॉकहोम कन्वेंशन POP की रिलीज को खत्म करने या कम करने पर केंद्रित है।
- 152 से अधिक देशों ने कन्वेंशन का अनुमोदन किया और यह 17 मई 2004 को लागू हुआ तथा भारत ने वर्ष 2006 में कन्वेंशन का अनुमोदन किया।

**प्रीलिम्स टेकअवे**

- पॉलीफ्लोरोएल्किल पदार्थ (PFAS)
- स्टॉकहोम कन्वेंशन

## 7. वित्त वर्ष 2024: भारत का दालों का आयात 6 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचा - द हिंदू

**प्रासंगिकता:** प्रमुख फसलें - देश के विभिन्न हिस्सों में फसल पैटर्न,

**समाचार:**

- वित्त वर्ष 2024 में भारत का दाल आयात साल-दर-साल 84% बढ़कर छह साल में उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

**मुख्य बिंदु**

- कम उत्पादन ने भारत को लाल मसूर और पीली मटर के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति देने के लिए प्रेरित किया।
- प्रोटीन से भरपूर दालों के दुनिया के सबसे बड़े आयातक, उत्पादक और उपभोक्ता भारत द्वारा कनाडा और म्यांमार जैसे निर्यातक देशों से अधिक आयात है।
- 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष में भारत ने 4.65 मिलियन मीट्रिक टन दालों का आयात किया।

**दलहन:**

- दलहन एक फलीदार फसल है जिसका उपयोग भोजन और चारे दोनों के लिए किया जाता है।
- वैश्विक आबादी के एक बड़े हिस्से के लिए प्रोटीन के एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में काम करने के अलावा, दालें अपने नाइट्रोजन-फिक्सिंग गुणों के माध्यम से स्वस्थ मिट्टी और जलवायु परिवर्तन शमन में योगदान करती हैं।

**भारत का दलहन उत्पादन:**

- भारत दुनिया में दालों का सबसे बड़ा उत्पादक (वैश्विक उत्पादन का 25%), उपभोक्ता (वैश्विक खपत का 27%) और आयातक (14%) है।

**प्रीलिम्स टेकअवे**

- दालें
- NFSM-दलहन

- हालाँकि **दालें खरीफ़** और **रबी** दोनों **सीज़न** में उगाई जाती हैं, **रबी दालें कुल उत्पादन में 60% से अधिक का योगदान** देती हैं।
- मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक **शीर्ष पांच दाल उत्पादक राज्य** हैं।

#### दालों का महत्व:

- **न्यूट्रिशनल पावरहाउस**: दालें प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और खनिजों से भरपूर होती हैं, जो मानव आहार के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करती हैं।
- **मृदा संवर्धन**: ये मिट्टी में नाइट्रोजन स्थिर करते हैं, उर्वरता में सुधार करते हैं और उर्वरक की आवश्यकता को कम करते हैं।
- **क्लाइमेट स्मार्ट क्रॉप**: दलहन जल-कुशल फसलें हैं और कई अन्य फसलों की तुलना में इनमें कार्बन फुटप्रिंट कम होता है, जो स्थिरता में योगदान देता है।
- **फसल स्वास्थ्य और चक्रण**: फसल चक्र में दालों को शामिल करने से मिट्टी की संरचना बढ़ती है, रोग चक्र कम होता है और खरपतवारों का दमन होता है, जिससे स्वस्थ कृषि प्रणालियों को बढ़ावा मिलता है।

## एडिटोरियल, जिस्ट, एक्सप्लेनेर

### 8. दक्षिण चीन सागर में भारत का दृष्टिकोण - द हिन्दू

**प्रासंगिकता:** भारत के हितों, भारतीय प्रवासियों पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव।  
**समाचार:**

- हाल ही में, **भारत के विदेश मंत्री ने मनीला** की अपनी यात्रा के दौरान एक **संयुक्त बयान** में, अपनी **राष्ट्रीय संप्रभुता** को बनाए रखने में **फिलीपींस** को **भारत का पूर्ण समर्थन** व्यक्त किया।

#### मुख्य बिंदु

- वर्ष 2023 में नई दिल्ली और मनीला के बीच एक संयुक्त बयान में भी चीन से नियम-आधारित समुद्री आदेश का पालन करने और मनीला के पक्ष में वर्ष 2016 के अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के फैसले को स्वीकार करने का आह्वान किया गया था।
- हाल के वर्षों में दक्षिण चीन सागर पर नई दिल्ली की स्थिति में काफी बदलाव आया है।

#### नीति विकास

- इस क्षेत्र के साथ नई दिल्ली का जुड़ाव शुरू में मुख्य रूप से आर्थिक था, जो उसकी पूर्व की ओर देखी नीति से प्रेरित था
  - जिसका उद्देश्य दक्षिण पूर्व एशिया के साथ आर्थिक एकीकरण को बढ़ाना और इसकी बढ़ती अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए ऊर्जा संसाधनों को सुरक्षित करने की अनिवार्यता है।
- प्रधानमंत्री प्रशासन के तहत लुक ईस्ट से एक्ट ईस्ट तक भारत की नीति अभिविन्यास में परिवर्तन ने भारत-प्रशांत क्षेत्र के साथ अधिक रणनीतिक और सक्रिय जुड़ाव की ओर बदलाव को चिह्नित किया है।
- यह नीति विकास बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के प्रति भारत की स्वीकार्यता को दर्शाता है
- भारत ने साथ ही आगे की स्थिति, मिशन-आधारित तैनाती, सुदृढ़ समुद्री डोमेन जागरूकता और गहरे पानी की समुद्री सुविधाओं के माध्यम से अपनी क्षमताओं को भी मजबूत किया है।

#### चीन के साथ भारत के जटिल संबंध

- दोनों देशों के बीच सीमा विवादों का एक लंबा इतिहास है जो वर्ष 2020 की गलवान घाटी घटना के बाद से और भी गहरा गया है
  - बीजिंग द्वारा समय-समय पर भारत के क्षेत्र में घुसपैठ और, हाल ही में, यहां तक कि अरुणाचल प्रदेश में भारतीय गांवों का नाम बदलने के बाद से तेज हो गया है।
- असममित निरोध के लिए भारत की क्षमता के प्रदर्शन में भारत दक्षिण चीन सागर में एक अग्रिम पंक्ति का युद्धपोत भेज रहा है।
- नियमित नौसैनिक अभ्यास और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ सैन्य सहयोग को मजबूत करने सहित भारत की रणनीतिक गतिविधियां दोहरे उद्देश्यों की पूर्ति करती हैं:
  - ये क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं
  - चीन के गैरकानूनी दावों के प्रतिकार के रूप में कार्य करें।

#### आसियान फैक्टर

- दक्षिण चीन सागर में विवादों में मुख्य रूप से चीन और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन (ASEAN) के कई देश शामिल हैं
- इंडो-पैसिफिक में एक जिम्मेदार हितधारक के रूप में, भारत अब ऐसे महत्वपूर्ण महत्व के मामलों पर स्पष्ट रुख अपनाने से नहीं कतरा सकता है।
- भारत की इंडो-पैसिफिक रणनीति में आसियान की केंद्रीय भूमिका भी भारत के लिए आसियान की स्थिति को मजबूत करना अनिवार्य बनाती है

**निष्कर्ष**

- इसलिए, दक्षिण चीन सागर में भारत का सूक्ष्म दृष्टिकोण उसकी व्यापक रणनीति का प्रतीक है, जिसका लक्ष्य भारत-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान को बनाए रखने के सामूहिक प्रयास में योगदान करते हुए अपने हितों की रक्षा करना है।

## 9. निजी निवेश में गिरावट से सम्बंधित मामला - द हिन्दू

**प्रासंगिकता:** भारतीय अर्थव्यवस्था और विकास से संबंधित मुद्दे।

**समाचार:**

- सकल स्थिर पूंजी निर्माण द्वारा मापा गया निजी निवेश गति नहीं पकड़ पा रहा है और वर्ष 2011-12 से इसमें लगातार गिरावट आ रही है।
- भारतीय अर्थव्यवस्था इस मुद्दे से त्रस्त है और सरकार को उम्मीद है कि बड़े भारतीय निगम इसमें कदम बढ़ाएंगे और निवेश बढ़ाएंगे।

**मुख्य बिंदु:**

- वर्ष 1980 के दशक के अंत और वर्ष 1990 के दशक की शुरुआत में आर्थिक सुधारों के कारण निजी निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई जिसके परिणामस्वरूप निजी क्षेत्र के विश्वास में सुधार हुआ।
- इस बीच, निजी निवेश मोटे तौर पर सकल घरेलू उत्पाद के 10% से थोड़ा नीचे या ऊपर बना हुआ है।
- दूसरी ओर, सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में सार्वजनिक निवेश, वर्ष 1950-51 में सकल घरेलू उत्पाद के 3% से भी कम से बढ़कर वर्ष 1980 के दशक की शुरुआत में सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में निजी निवेश से आगे निकल गया।
- हालाँकि, उदारीकरण के बाद निजी निवेश के स्थिर पूंजी निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने के साथ इसमें गिरावट शुरू हो गई।
- निजी निवेश में वृद्धि वर्ष 2007-08 के वैश्विक वित्तीय संकट तक जारी रही।
- यह वर्ष 1980 के दशक में सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 10% से बढ़कर वर्ष 2007-08 में लगभग 27% हो गया।
- हालाँकि, वर्ष 2011-12 के बाद से, निजी निवेश में गिरावट शुरू हो गई और वर्ष 2020-21 में सकल घरेलू उत्पाद का 19.6% के निचले स्तर पर पहुँच गया।

**निजी निवेश में लगातार गिरावट के कारण:**

- कई अर्थशास्त्री विशेष रूप से महामारी के बाद निजी निवेश में वृद्धि में विफलता के लिए कम निजी उपभोग व्यय को जिम्मेदार मानते हैं।
  - उनका कहना है कि व्यवसायों को विश्वास दिलाने के लिए मजबूत उपभोग व्यय की आवश्यकता है।
  - एक बार जब वे निश्चित पूंजी के निर्माण में निवेश करने का निर्णय लेते हैं तो आउटपुट की पर्याप्त मांग जुटाई जा सकती है।
- हालाँकि, ऐतिहासिक रूप से, भारत में निजी उपभोग और निजी निवेश के बीच विपरीत संबंध के प्रमाण मिले हैं।
- उपभोग और निवेश के बीच विपरीत संबंध होने की संभावना है क्योंकि बचत और निवेश के लिए सरकार या निजी व्यवसायों द्वारा जो पैसा आवंटित किया जाता है, वह कम उपभोग व्यय की कीमत पर आता है।
- अन्य अर्थशास्त्री भी मानते हैं, पिछले दशक में, प्रतिकूल सरकारी नीति और नीतिगत अनिश्चितता जैसी संरचनात्मक समस्याओं के कारण सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में निजी निवेश में गिरावट आई है।

**सकल स्थिर पूंजी निर्माण (GFCF):**

- GFCF किसी अर्थव्यवस्था में स्थिर पूंजी के आकार में वृद्धि को संदर्भित करता है।
- स्थिर पूंजी में भवन और मशीनरी जैसी चीजें शामिल होती हैं, जिन्हें बनाने के लिए निवेश की आवश्यकता होती है।
- निजी GFCF किसी अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र कितना निवेश करने को तैयार है, इसका अनुमानित मूल्य दर्शाने का काम कर सकता है।
- GFCF में सरकार द्वारा निवेश के परिणामस्वरूप पूंजी निर्माण भी शामिल है।
- GFCF महत्वपूर्ण है क्योंकि निश्चित पूंजी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और जीवन स्तर में सुधार करने में मदद कर सकती है।

## 10. भारत में TB नियंत्रण से सम्बंधित प्रयास - द हिंदू

**प्रासंगिकता :** विज्ञान और प्रौद्योगिकी- विकास और उनके अनुप्रयोग और रोजमर्रा की जिंदगी में प्रभाव।

**प्रसंग:**

- क्षय रोग माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस (जीवाणु संक्रमण) के कारण होता है।
- एंटीबायोटिक्स से पहले, TB के उपचार बड़े पैमाने पर देखभाल गहन थे, लोबेक्टोमी और न्यूमोनेक्टॉमी जैसी सर्जिकल प्रक्रियाएं विशेषज्ञ कार्डियोथोरेसिक सर्जनों द्वारा की जाती थीं।
- सर अलेक्जेंडर फ्लेमिंग द्वारा एंटीबायोटिक दवाओं की खोज ने इस लगातार दुश्मन के खिलाफ लड़ाई में एक नए अध्याय की शुरुआत की है।

- हालाँकि, TB के उपचार में वास्तविक क्रांति सर ऑस्टिन ब्रैडफोर्ड हिल के अभूतपूर्व कार्य द्वारा लाई गई थी।
- **भारत में क्षय रोग:**
- वर्ष 2023 में 25,37,235 TB मामलों को अधिसूचित करने के साथ, भारत ने वर्ष 2022 में प्राप्त TB अधिसूचना संख्या को बेहतर कर लिया है।
- सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा TB अधिसूचना लक्ष्य के 93% तक पहुंच गई, निजी क्षेत्र के मामले में यह 89% थी।
- **चुनौतियां**
- ग्रामीण क्षेत्रों में खराब प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल और बुनियादी ढाँचा
- अनियमित निजी स्वास्थ्य देखभाल
- HIV प्रेरित TB के मामले
- स्वच्छता सुविधाओं की कमी और बड़े पैमाने पर कुपोषण और गरीबी।

### TB CASES IN INDIA OVER THE YEARS

	India TB Report 2020	2023	2024
Estimated TB cases	26.9 lakh	27.4 lakh	27.8 lakh
Number of cases reported	24.04 lakh	24.2 lakh	25.5 lakh
Reporting from private sector	6.8 lakh	7.3 lakh	8.4 lakh
% cases from private sector	28.20%	30%	32.90%
Estimated mortality	4.36 lakh	3.2 lakh	3.2 lakh

#### भारत के प्रयास:

- प्रधानमंत्री TB मुक्त भारत अभियान
- क्षय रोग उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (NSP) (2017-2025)
- TB हारेगा देश जीतेगा अभियान
- निक्षय पोषण योजना
- रिपोर्ट इंडिया: रिपोर्ट इंडिया (क्षय रोग (TB) के लिए क्षेत्रीय संभावित अवलोकन अनुसंधान) भारत-अमेरिका वैक्सीन एक्शन प्रोग्राम (VAP) के तहत वर्ष 2013 में स्थापित एक द्विपक्षीय, बहु-संगठनात्मक, सहयोगात्मक प्रयास है।
- इसका उद्देश्य भारत और दुनिया भर के लोगों के लिए TB के खतरे का समाधान करना है।
- हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक ने भारत में मानव स्रोत से प्राप्त दुनिया की पहली माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस वैक्सीन MTBVAC का क्लिनिकल परीक्षण शुरू कर दिया है।

#### TB के लिए दवाएँ:

- **आइसोनियाज़िड (INH)** : यह जीवाणु कोशिका दीवार में माइकोलिक एसिड के संश्लेषण को रोककर काम करता है।
- **रिफैम्पिसिन (RIF)**: रिफैम्पिसिन बैक्टीरिया में आरएनए के संश्लेषण को रोककर काम करता है।
- **डेलामानिड**: डेलामानिड एक नई दवा है जिसका उपयोग अन्य दवाओं के साथ संयोजन में मल्टीड्रग-प्रतिरोधी TB (एमडीआर-TB) के उपचार में किया जाता है।

## फैक्ट फटाफट

### 1. लीफ लिटर फ्रॉग

- यह वन समुदाय में मेंढकों की सबसे ज्यादा पाई जाने वाली प्रजाति है।
- यह जीवित रहने की रणनीति के रूप में अपनी उच्च-आवृत्ति चीखों का उपयोग करता है।
- यह प्राथमिक और द्वितीयक वनों और वन किनारों पर निवास करता है।
- यह आमतौर पर जंगल के फर्श पर पत्तों के कूड़े में, या जंगल के अंदर कम वनस्पति में पत्तियों पर पाया जाता है।
- ये बहुत छोटे होते हैं और इस प्रजाति में सबसे बड़ी मादा होती है। आकार में, ये बमुश्किल 64 मिलीमीटर (2.5 इंच) लंबे होते हैं।
- यह ब्राजील के अटलांटिक वर्षावन में पाई जाने वाली मेंढक की एक प्रजाति है।
- इस प्रजाति को IUCN संरक्षण स्थिति के तहत कम से कम चिंताजनक श्रेणी में रखा गया है

### 2. हीटवेव

- हीटवेव की परिभाषा क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति पर निर्भर करती है।
- हीट वेव वायु तापमान की वह स्थिति है जो मानव शरीर के लिए घातक हो जाती है।
- IMD द्वारा हीटवेव की घोषणा की जाएगी:
  - यदि किसी स्टेशन पर दर्ज अधिकतम तापमान मैदानी इलाकों में 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक है
  - तटीय क्षेत्रों में तापमान 37 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक तथा पहाड़ी क्षेत्रों में 30 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक हो सकता है।
- हीटवेव की गंभीरता सामान्य तापमान से उसके विचलन से निर्धारित होती है।

### 3. सोनार

- साउंड नेविगेशन एंड रेंजिंग (सोनार) एक उपकरण है जो समुद्र का पता लगाने के लिए ध्वनि तरंगों का उपयोग करता है।
- वैज्ञानिक मुख्य रूप से सोनार का उपयोग समुद्री चार्ट विकसित करने, नेविगेशन के लिए पानी के नीचे के खतरों का पता लगाने के लिए करते हैं
  - जल स्तंभ और समुद्र तल पर जहाजों के मलबे जैसी वस्तुओं को खोजें और पहचानें, और समुद्र तल का मानचित्रण करें।
- सोनार का उपयोग समुद्र विज्ञान के लिए किया जाता है क्योंकि ध्वनि तरंगें रडार और प्रकाश तरंगों की तुलना में पानी में अधिक दूर तक जाती हैं।

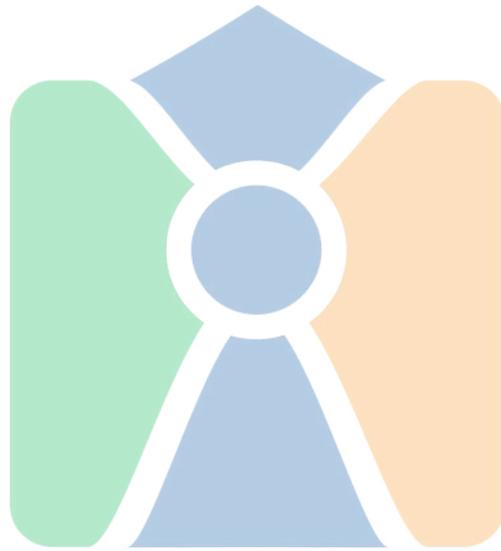
### 4. मैनिंजाइटिस

- यह एक गंभीर संक्रमण है जिसके कारण मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को घेरने वाली और सुरक्षित रखने वाली झिल्लियों (मेनिन्जेस) में सूजन आ जाती है।
- मेनिंजाइटिस के कई कारण हैं, जिनमें वायरल, बैक्टीरियल, फंगल और परजीवी रोगजनक शामिल हैं।
- बैक्टीरियल मैनिंजाइटिस, जो विशेष रूप से मेनिंगोकोकस बैक्टीरिया के कारण होता है, अफ्रीका में एक विशेष चिंता का विषय है और इसके परिणामस्वरूप सेप्टीसीमिया (रक्त विषाक्तता) भी हो सकता है।
  - जो लोग इसके संपर्क में आते हैं उन्हें 24 घंटों के भीतर गंभीर रूप से अक्षम या मार डाला जा सकता है।
- इसमें अक्सर सिरदर्द, बुखार और गर्दन में अकड़न शामिल होती है।

- 26 देशों का एक क्षेत्र जिसे "अफ्रीकी मेनिनजाइटिस बेल्ट" के रूप में जाना जाता है, नाइजीरिया सहित पूरे महाद्वीप में फैला हुआ है

## 5. B वायरस

- यह जीनस मैकाका B वायरस के मकाक में एक अल्फाहर्पीसवायरस एनज़ूटिक है, जो एकमात्र पहचाना गया पुराना-विश्व-बंदर हर्पीसवायरस है।
- इसे हर्पीस B वायरस या मैकासिन हर्पीसवायरस 1 (McHV-1) के नाम से भी जाना जाता है।
- यह एक प्रकार का हर्पीसवायरस है जो मकाक बंदरों, विशेषकर रीसस मकाक में पाया जाता है।
- इन जानवरों में यह स्पर्शोन्मुख है, यह एन्सेफलाइटिस सहित गंभीर न्यूरोलॉजिकल जटिलताओं का कारण बन सकता है।
- मनुष्यों में, यह काटने, खरोंचने या संक्रमित शारीरिक तरल पदार्थ के संपर्क से फैलता है।
- मनुष्यों के बीच इस वायरस का संचरण दुर्लभ है। अब तक, मानव से मानव संचरण का केवल एक मामला दर्ज किया गया है



**Mentorship**  
India

## प्रीलिम्स ट्रेक

**Q1. VVPAT के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. VVPAT मशीन की अवधारणा शुरुआत में 2010 में (ECI) और राजनीतिक दलों के बीच एक बैठक के दौरान प्रस्तावित की गई थी।
2. 2011 में, चुनाव संचालन नियम, 1961 में संशोधन करके एक ड्रॉप बॉक्स वाले प्रिंटर को EVM से जोड़ने की अनुमति दी गई थी।
3. VVPAT का उपयोग सबसे पहले मणिपुर के नोकसेन विधानसभा क्षेत्र के सभी 21 मतदान केंद्रों पर किया गया था

**ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?**

- A. केवल एक
- B. केवल दो
- C. सभी तीनों
- D. कोई नहीं

**Q2. हाल ही में समाचारों में देखा गया कोडेक्स एलिमेंटेरियस किससे संबंधित है:**

- A. उपभोक्ता के स्वास्थ्य की रक्षा करना और खाद्य व्यापार में उचित व्यवहार सुनिश्चित करना।
- B. सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में वृद्धि
- C. लगातार बने रहने वाले जैविक प्रदूषकों से मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा करें
- D. इनमें से कोई भी नहीं

**Q3. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें**

**कथन I:** जब वर्ष 1973 में निश्चित विनिमय दरें समाप्त हो गईं, तो IMF ने SDR को विश्व मुद्राओं की एक बास्केट के मूल्य के बराबर के रूप में फिर से परिभाषित किया।

**कथन II:** इसे मुद्रा माना जाता है और इसका मूल्य अमेरिकी डॉलर, यूरो, चीनी रेंमिन्बी, जापानी येन और ब्रिटिश पाउंड स्टर्लिंग की पांच मुद्राओं की एक बास्केट पर आधारित है।

**उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है/हैं?**

- A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
- B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
- C. कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है
- D. कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है

**Q4. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें**

**कथन I:** लंबी दूरी की सबसोनिक क्रूज मिसाइल को रूस की मदद से DRDO द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है

**कथन II:** बेहतर और विश्वसनीय प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए क्रूज मिसाइल उन्नत एवियोनिक्स और सॉफ्टवेयर से भी सुसज्जित है

**उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है/हैं?**

- A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
- B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
- C. कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है
- D. कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है

**Q5. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. मानव इन्फ्लूएंजा वायरस सिंगल स्ट्रैंडेड डीएनए वायरस हैं।
2. H7N9 एक एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस है
3. इन्फ्लूएंजा D वायरस मुख्य रूप से सूअरों को प्रभावित करता है

**उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?**

- A. केवल एक
- B. केवल दो
- C. सभी तीनों
- D. कोई नहीं

**Q6. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. भारत ने स्टॉकहोम कन्वेंशन का अनुमोदन नहीं किया है।
2. नॉन-स्टिक कुकवेयर में पॉलीफ्लोरोएल्काइल पदार्थ (PFA) का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है
3. लगातार बने रहने वाले कार्बनिक प्रदूषक पर्यावरण में कुछ समय के बाद खराब हो सकते हैं।

**ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं?**

- A. केवल एक
- B. केवल दो
- C. सभी तीनों
- D. कोई नहीं

**Q7. भारत में दाल उत्पादन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. काले चने की खेती खरीफ और रबी दोनों फसलों के रूप में की जा सकती है।
2. दलहन उत्पादन का लगभग आधा हिस्सा अकेले चने का होता है।
3. पिछले तीन दशकों में जहाँ खरीफ दालों का उत्पादन बढ़ा है, वहीं रबी दालों का उत्पादन घटा है।

**ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?**

- A. केवल एक
- B. केवल दो
- C. सभी तीनों
- D. कोई नहीं

**Q8. निम्नलिखित में से किस देश की सीमा दक्षिण चीन सागर से लगती है:**

1. ब्रुनेई
2. इंडोनेशिया
3. मलेशिया

**उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?**

- A. केवल एक
- B. केवल दो
- C. सभी तीनों
- D. कोई नहीं

**Q9. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. पिछले दशक में निजी निवेश लगातार बढ़ रहा है।
2. आज़ादी के बाद से निजी निवेश हमेशा सार्वजनिक निवेश से अधिक रहा है।
3. सकल स्थिर पूंजी निर्माण (GFCF) अर्थव्यवस्था में स्थिर पूंजी में शुद्ध वृद्धि को संदर्भित करता है।

**उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?**

- A. केवल एक
- B. केवल दो
- C. सभी तीनों
- D. कोई नहीं

**Q10. क्षय रोग के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. WHO ने वैश्विक तपेदिक रिपोर्ट जारी की।
2. निक्षय पोषण योजना TB रोगियों की पोषण संबंधी जरूरतों के लिए प्रति माह 1000 रुपये का प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) प्रदान करती है।
3. सक्षम परियोजना के तहत स्वास्थ्य मंत्रालय DR-TB रोगियों को मनो-सामाजिक परामर्श प्रदान करता है।

**ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?**

- A. केवल एक
- B. केवल दो
- C. सभी तीनों
- D. कोई नहीं

## प्रीलिम्स ट्रेक उत्तर

उत्तर : 1 विकल्प A सही है

व्याख्या-

- VVPAT मशीन की अवधारणा शुरुआत में 2010 में (ECI) और राजनीतिक दलों के बीच एक बैठक के दौरान प्रस्तावित की गई थी। **अतः, कथन 1 सही है।**
- वर्ष 2013 में, चुनाव संचालन नियम, 1961 में संशोधन करके एक ड्रॉप बॉक्स वाले प्रिंटर को EVM से जोड़ने की अनुमति दी गई थी। **इसलिए, कथन 2 गलत है**
- VVPAT का उपयोग सबसे पहले नागालैंड के नोकसेन विधानसभा क्षेत्र के सभी 21 मतदान केंद्रों पर किया गया था। **इसलिए कथन 3 गलत है।**

उत्तर : 2 विकल्प A सही है

व्याख्या

**कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन (CAC)**

- CAC एक अंतरराष्ट्रीय खाद्य मानक निकाय है जिसे मई 1963 में FAO और विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा संयुक्त रूप से उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की रक्षा करने और खाद्य व्यापार में उचित प्रथाओं को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था।
- मान्यता:
- विश्व व्यापार संगठन (WTO) के स्वच्छता और पादप स्वच्छता उपायों (SPS) के अनुप्रयोग पर समझौता अंतरराष्ट्रीय व्यापार और व्यापार विवाद निपटान के लिए संदर्भ मानकों के रूप में कोडेक्स मानकों, दिशानिर्देशों और सिफारिशों को मान्यता देता है।

**अतः, विकल्प A सही है**

उत्तर : 3 विकल्प C सही है

व्याख्या

- SDR **एक मुद्रा नहीं है**, लेकिन इसका मूल्य पांच मुद्राओं की एक बास्केट पर आधारित है- अमेरिकी डॉलर, यूरो, चीनी रेंमिन्बी, जापानी येन और ब्रिटिश पाउंड स्टर्लिंग। **इसलिए, कथन 2 गलत है**
- जब 1973 में निश्चित विनिमय दरें समाप्त हो गईं, तो IMF ने SDR को विश्व मुद्राओं की एक बास्केट के मूल्य के बराबर के रूप में फिर से परिभाषित किया। **अतः, कथन 1 सही है**

उत्तर : 4 विकल्प D सही है

व्याख्या

- इस सफल उड़ान परीक्षण ने गैस टर्बाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान (GTRE), बेंगलुरु द्वारा विकसित स्वदेशी प्रणोदन प्रणाली के विश्वसनीय प्रदर्शन को भी स्थापित किया है।
- बेहतर और विश्वसनीय प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए कूज़ मिसाइल उन्नत एवियोनिक्स और सॉफ्टवेयर से भी लैस है, **इसलिए, कथन 2 सही है**
- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने ओडिशा के तट पर चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR) से "लंबी दूरी की सबसोनिक स्वदेशी रूप से विकसित कूज़ मिसाइल" का सफल उड़ान परीक्षण किया, **इसलिए, कथन 1 गलत है।**

उत्तर : 5 विकल्प A सही है

व्याख्या

- इन्फ्लुएंजा D वायरस मुख्य रूप से मवेशियों को प्रभावित करते हैं और लोगों को संक्रमित करने या बीमारी का कारण बनने के लिए जाने नहीं जाते हैं। **इसलिए कथन 3 गलत है**
- H7N9 एवियन इन्फ्लुएंजा वायरस का एक उप-प्रकार है। **अतः, कथन 2 सही है**
- मानव इन्फ्लुएंजा वायरस सिंगल स्ट्रैंडेड आरएनए वायरस हैं। **इसलिए कथन 1 गलत है।**

उत्तर : 6 विकल्प A सही है

व्याख्या

- भारत ने वर्ष 2006 में स्टॉकहोम सम्मेलन की पुष्टि की है। **कथन गलत है।**
- पॉलीफ्लोरोएल्किल पदार्थ (PFA) का व्यापक रूप से नॉन-स्टिक कुकवेयर, सौंदर्य प्रसाधन, पानी प्रतिरोधी कपड़े आदि में उपयोग किया जाता है। **कथन 2 सही है।**
- POP ऐसे रसायन हैं जो लंबे समय तक पर्यावरण में बरकरार रहते हैं। **कथन 3 गलत है।**

**उत्तर : 7 विकल्प B सही है**

**व्याख्या**

- उड़द एक गर्म मौसम की फसल है और 600 से 1000 मिमी तक वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में उगती है। इसलिए, हालांकि इसे सभी मौसमों में उगाया जा सकता है, काले चने की अधिकांश खेती या तो रबी या देर से रबी मौसम में होती है। **अतः, कथन 1 सही है।**
- अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय (DES) के अनुसार, 2018-19 में दाल उत्पादन का हिस्सा अरहर (15.34%), चना (43.29%), मूंग (हरा चना, 10.04%), उड़द (काला चना) 13.93%), मसूर (6.67%), और अन्य दालें (10%) शामिल था। **अतः, कथन 2 सही है।**
- नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रकार, पिछले तीन दशकों में, खरीफ दालों का उत्पादन और रबी दालों का उत्पादन दोनों में वृद्धि हुई है। **इसलिए, कथन 3 गलत है।**

**उत्तर : 8 विकल्प C सही है**

**व्याख्या**

- दक्षिण चीन सागर चीनी मुख्य भूमि के ठीक दक्षिण में स्थित है और इसकी सीमा ब्रुनेई, चीन, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, ताइवान और वियतनाम देशों से लगती है। ये देश सदियों से समुद्र में क्षेत्रीय नियंत्रण को लेकर झगड़ते रहे हैं, लेकिन हाल के वर्षों में तनाव नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। **अतः सभी विकल्प सही हैं**

**उत्तर : 9 विकल्प A सही है**

**व्याख्या**

- वर्ष 2011-12 के बाद से निजी निवेश में लगातार गिरावट देखी गई है। **कथन 1 गलत है**
- वर्ष 1950-51 में सार्वजनिक निवेश सकल घरेलू उत्पाद के 3% से भी कम था, जो पिछले कुछ दशकों में लगातार बढ़ा और वर्ष 1980 के दशक की शुरुआत में सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में निजी निवेश से आगे निकल गया। **कथन 2 गलत है**
- GFCF किसी अर्थव्यवस्था में स्थिर पूंजी के आकार में वृद्धि को संदर्भित करता है। **कथन 3 सही है**

**उत्तर : 10 विकल्प A सही है**

**व्याख्या**

- WHO ने वैश्विक तपेदिक रिपोर्ट जारी की। **अतः, कथन 1 सही है।**
- निक्षय पोषण योजना पोषण संबंधी जरूरतों के लिए प्रति माह 500 रुपये का प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) प्रदान करती है। **इसलिए, कथन 2 गलत है।**
- सक्षम परियोजना: यह टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (TISS) की एक परियोजना है जो डीआर-TB रोगियों को मनोवैज्ञानिक-सामाजिक परामर्श प्रदान कर रही है। **इसलिए, कथन 3 गलत है।**

# Mentorship India

Our mission is crystal clear – to provide the finest UPSC mentorship and guidance available in India. We recognize that the path to success in the UPSC examination is both demanding and multifaceted. This is precisely why we have developed a comprehensive approach that goes beyond conventional coaching. Our commitment lies in fostering excellence by equipping aspirants with the necessary tools, knowledge, and unwavering support to not only excel in the examination but also in life itself.

Mentorship India represents more than just an organization; it is a community of ambitious individuals bound together by the shared objective of conquering the UPSC examination. We warmly invite you to embark on this transformative journey alongside us. Whether you are a novice taking your initial steps or a seasoned aspirant aiming for the pinnacle, Mentorship India is your dependable companion in the relentless pursuit of excellence.

+91 9999 057869  
www.mentorshipindia.com

A-92, Third Floor, Hari Nagar  
Delhi - 110064

 @mentorship.india